



# मलाला

“लड़कियों को बताना होगा  
उनकी आवाज़ का महत्व ।”

संपादन: गीता धर्मराजन



कथा की ३००एम थिंकबुक





तालिबान ने पाकिस्तान में स्वाट  
घाटी पर कब्ज़ा कर लिया था ।  
तब एक लड़की ने आवाज़  
उठाई । बच्चों की पढ़ाई के लिए ।  
मलाला युसुफ़ज़र्झन निडरता से  
अपने हृक़ के लिए लड़ी ।



मलाला को सिर में गोली लगी । वह  
बस में स्कूल से घर जा रही थी ।  
ऐसा लग रहा था कि वह नहीं बचेगी ।  
पर जैसे कोई चमत्कार हुआ, मलाला  
बच गयी ।  
तब से मलाला ने लड़कियों की शिक्षा  
के लिए काम करना शुरू किया ।



माल सोलह वर्ष की आयु में मलाला  
विश्व भर में शांतिपूर्ण विरोध का  
प्रतीक बन गयी।

मलाला सबसे कम उम्र की नोबेल  
पुरस्कार विजेता हैं।

**xhrk /keɪkt u** बच्चों के लिए कहानियाँ लिखना पसंद करती हैं। वह टारगेट पत्रिका और पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय की पत्रिका पेन्सिलवेनिया गज़ेट की संपादक भी रह चुकी हैं। साहित्य एवं शिक्षा में किये गये इनके अद्वितीय योगदान के लिए इन्हें सन् 2012 में राष्ट्रीय सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

## कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर-लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।  
“भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!”

— नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ

“कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में रखायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।”

— पेपरटाइगर्स

“कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।”

— ठाइम आउट

“कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।”

— चार्ल्स लैंड्री, द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग



हिंदी संस्करण 2021

कृति स्वामित्व © कथा, 1994, 2021

मौलिक लेखन कृति स्वामित्व © गीता धर्मराजन

फोटोग्राफ़ कृति स्वामित्व

स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुस्तक, प्रयोग किया जा सकता है।

रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुश्तिम

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।

कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।

हमारा लक्ष्य: हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य हैं बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रुचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए-3 सर्वदय एन्क्लेव, श्री ओरोविन्दो मार्ग, नवी दिल्ली – 110017

दूरभाष: 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998

ई-मेल: [marketing@katha-org](mailto:marketing@katha-org)

वेबसाइट: [www-katha.org](http://www-katha.org) | [www-books-katha.org](http://www-books-katha.org)



यह पुस्तकतंत्र कथा ने बहुत ध्यान और स्मृति के साथ बनायी हैं। यह 5 से 12 वर्ष आयु के बच्चों के लिए है।

यह हमारे 'UntextBook Initiative' का हिस्सा है। बच्चों को पढ़ने का आनंद आये उसके लिए हम बेहतरीन साहित्य और कला का इस्तेमाल करते हैं।

अपने बच्चों के बिना शब्दों वाली किताबों से 1200 शब्दों वाली कहानियों की यात्रा कराएं।

इसमें 3500 वर्ष पुराने साहित्य से कहानियाँ और कविताएँ हैं।

'I Love Reading' Library कथा की एक खास श्रृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग – अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है।

यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है।

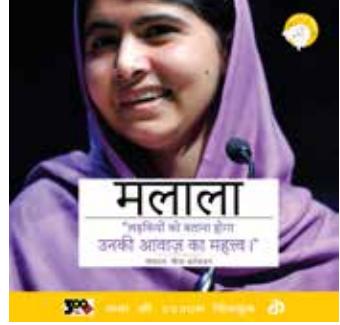
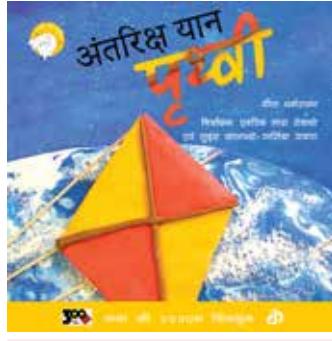
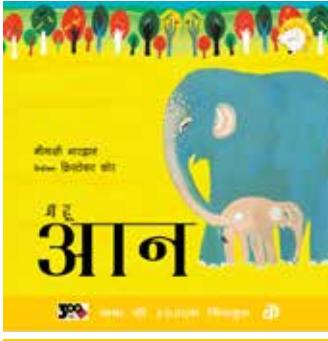
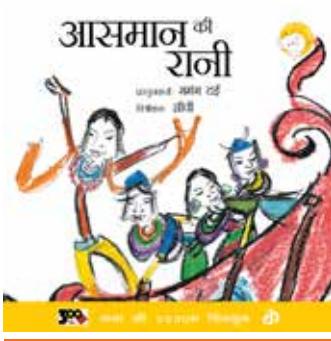
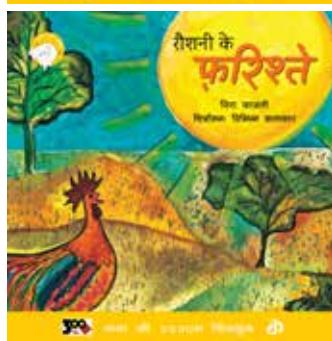
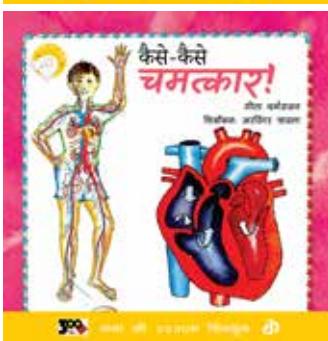
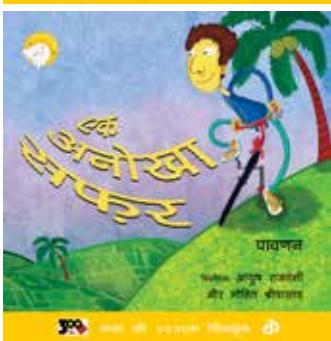
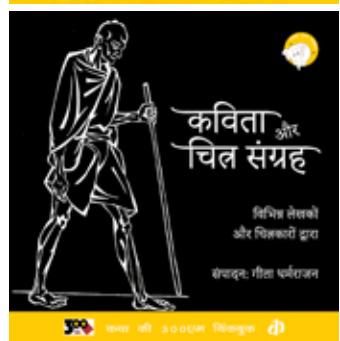
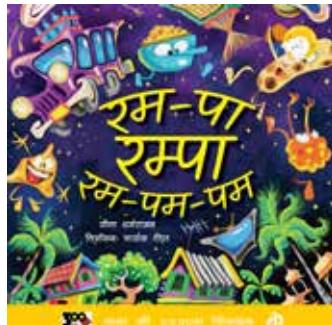
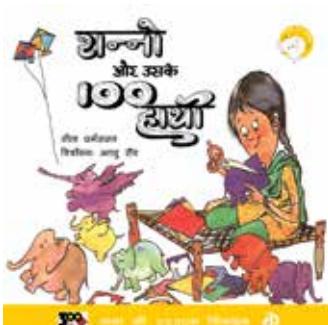
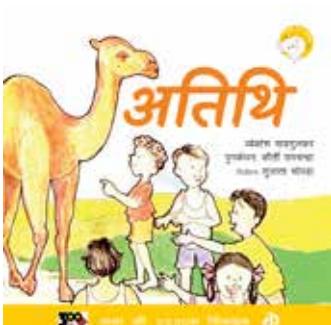
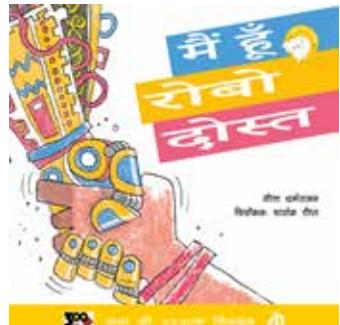
यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ाता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL) लैब सरकारी, निजी और गैर-लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ करती हैं। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

अधिक जानकारी के लिए [300m@katha-org](mailto:300m@katha-org) पर जाएं।

आनंद और समझने के लिए पढ़ो

यह सभी आई.एल.आर किताबें हैं



"[Katha]...a special and unique moment in Indian Publishing history."

— The iconic The Economic Times

a katha book

for children  
ISBN-978-93-88284-81-3  
  
9 789388 284813

₹ xxx  
[www.katha.org](http://www.katha.org)

प्रवर्णन

प्र

इसकी

जीवि